



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

29 फाल्गुन 1940 (श10)  
(सं0 पटना 466) पटना, बुधवार, 20 मार्च 2019

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद्

अधिसूचना  
19 सितम्बर 2018

सं० 774—औरंगाबाद जिलान्तर्गत श्री पुनपुन संगम रऊआ धाम, ग्रा0+पो0—जम्हौर, अंचल—वारुण, जिला—औरंगाबाद पर्षद के तहत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०— 2712 है।

इस न्यास की व्यवस्था हेतु अधिनियम की धारा-29 (1) के तहत पर्षदीय पत्रांक-2701-2729 तक, दिनांक-19/08/2002 द्वारा 29 सदस्यों की न्यास समिति का गठन किया गया था। न्यास समिति ने अपने कार्यकाल के दौरान अंकेक्षित प्रतिवेदन, न्यास के बैठकों का विवरण तथा हित में किये गये विकासात्मक कार्यों की जानकारी पर्षद को उपलब्ध नहीं करायी। पर्षद को अधिकांश सदस्य के निष्क्रिय हो जाने की सूचना प्राप्त हुई तथा पूर्व में निर्धारित परम्परानुसार न्यास समिति गठन का अनुरोध भी प्राप्त हुआ। इस संबंध में स्व० महंत कामतानंद ब्रह्मचारी उर्फ जंगलिया बाबा के चेला महंत बालकानंद ब्रह्मचारी ने न्यास प्रांगण में आम सभा बुलाकर समिति गठन कर, अनुमोदन किये जाने का अनुरोध किया। पर्षदीय पत्रांक-621, दिनांक-19/06/17 द्वारा श्री बालकानंद ब्रह्मचारी को निर्देश दिया गया कि सभी मूल दस्तावेजों के साथ सुनवाई हेतु बुलाया गया। दस्तावेजों के अवलोकन के उपरांत दिनांक-31/08/2017 को श्री बालकानंद ब्रह्मचारी को न्यासधारी की मान्यता दी गयी। श्री बालकानंद ब्रह्मचारी द्वारा प्रस्तावित न्यास समिति के 9 सदस्यों का चरित्र-सत्यापन हेतु पर्षदीय पत्रांक-1615, दिनांक-09/11/17 को पत्र थानाध्यक्ष, जम्हौर, जिला—औरंगाबाद को प्रेषित किया गया। थानाध्यक्ष द्वारा पत्र सं०-2332/17, दिनांक-17/11/17 द्वारा न्यास समिति के गठन हेतु सदस्यों का चरित्र-सत्यापन प्राप्त हुआ, जिसमें उनके विरुद्ध जम्हौर थाना में कोई कांड दर्ज नहीं होने की बात कही गयी। पर्षदीय पत्रांक-2475, दिनांक-22/02/18 द्वारा पूर्व न्यास समिति के सभी सदस्यों को अधिनियम की धारा-29 (2) के तहत न्यास समिति भंग करने हेतु पत्र दिया गया, जिसका जबाब अप्राप्त रहा तथा कुछ लोगों की मृत्यु की सूचना पोस्टल पीयुन द्वारा दी गयी।

उपरोक्त परिस्थिति में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950, की धारा-29 (2) के तहत पूर्व न्यास समिति को विघटित करते हुए, अधिनियम की धारा-32 के अन्तर्गत एक नवीन योजना का निरूपण तथा इसके संचालन के लिए नवीन न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, प्रशासक, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा-8 (क) सह पठित धारा-32 (1) एवं 81 (ख) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री पुनपुन संगम रऊआ धाम, ग्रा0+पो0—जम्हौर, जिला— औरंगाबाद के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

## योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री पुनपुन संगम रऊआ धाम न्यास योजना, ग्रा0+पो0-जमहौर, जिला-औरंगाबाद” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री पुनपुन संगम रऊआ धाम न्यास समिति, ग्रा0+पो0-जमहौर, जिला-औरंगाबाद” होगा, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
  2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।
  3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
  4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
  5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालने करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी। यह विवरणी मार्गदर्शिका के आलोक में देय होगा।
  6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहुत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।
  7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।
  8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तारित भूमि “यदि कोई हो तो”, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
  9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकवित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
  10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायें या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।
  11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
- पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-
- |  |            |
|--|------------|
| 1. श्री राम वचन तिवारी-  | अध्यक्ष    |
| 2. श्री उपेन्द्र कुमार सिंह-   | सचिव       |
| 3. श्री सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता-   | कोषाध्यक्ष |
| 4. श्री अजित कुमार सिंह-   | सदस्य      |
| 5. श्री जनेश्वर पासवान-  | सदस्य      |
| 6. श्री इन्द्रदेव रावत-  | सदस्य      |
| 7. श्री अभय सिंह-  | सदस्य      |
| 8. श्री जितेन्द्र राम-   | सदस्य      |
| 9. श्री जगन्नाथ सिंह-  | सदस्य      |
| 12. उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से अगले 05 वर्षों का होगा, लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर इसकी निरन्तरता कायम रहेगी। |            |

विश्वासभाजन,  
अखिलेश कुमार जैन,  
प्रशासक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 466-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>